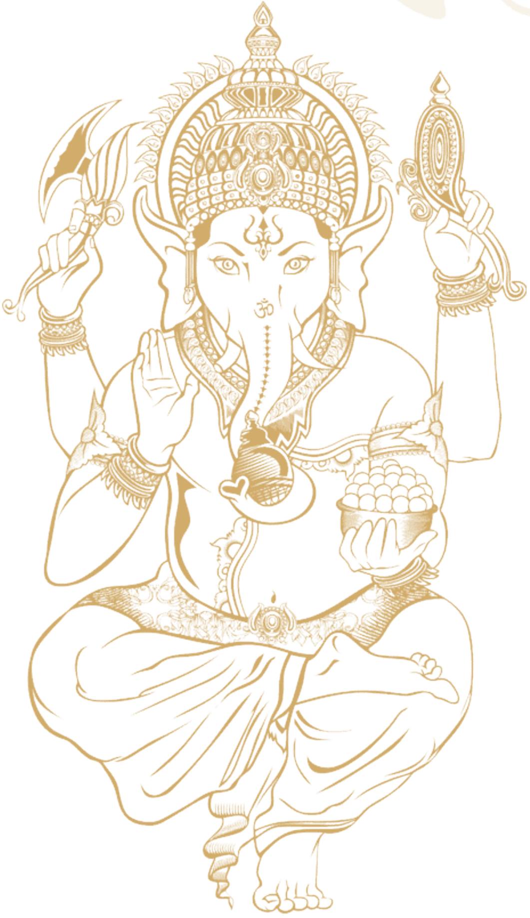

Mr.devansh sharma

10 Nov 2025

07:42 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb **Order No: 120094303**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/11/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:42:00 घंटे**
इष्ट	32:38:00 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:22:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:08 घंटे
साम्पातिक काल	22:42:46 घंटे
सूर्योदय	06:38:48 घंटे
सूर्यास्त	17:27:23 घंटे
दिनमान	10:48:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:13:00 तुला
लग्न के अंश	00:45:40 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:45:40	339:22:50	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			तुला	24:13:00	01:00:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	03:51:08	13:50:01	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	10:07:55	00:43:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	12:35:42	00:07:15	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	00:55:53	00:00:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	10:21:01	01:15:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:12:41	00:01:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:56:52	00:02:43	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:56:52	00:02:43	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:40:48	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:24:00	00:00:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:19:41	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	14:52:48	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

लग्न-चलित

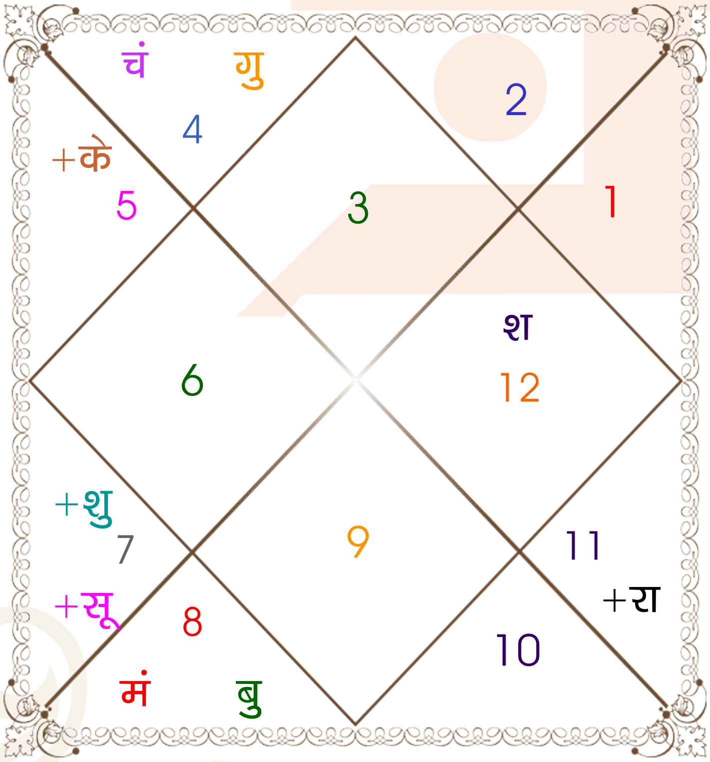

चन्द्र कुंडली

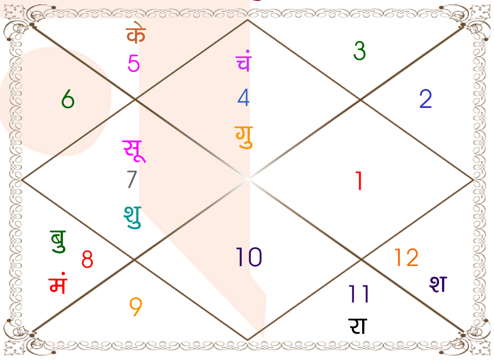

नवमांश कुंडली

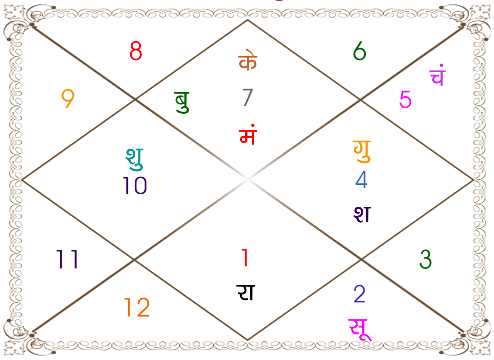

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 3 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/11/2025		14/02/2044		13/02/2061		14/02/2068		14/02/2088	
14/02/2044		13/02/2061		14/02/2068		14/02/2088		13/02/2094	
शनि	17/02/2028	बुध	13/07/2046	केतु	12/07/2061	शुक्र	15/06/2071	सूर्य	03/06/2088
बुध	27/10/2030	केतु	10/07/2047	शुक्र	12/09/2062	सूर्य	15/06/2072	चंद्र	02/12/2088
केतु	06/12/2031	शुक्र	10/05/2050	सूर्य	17/01/2063	चंद्र	13/02/2074	मंगल	09/04/2089
शुक्र	05/02/2035	सूर्य	16/03/2051	चंद्र	18/08/2063	मंगल	16/04/2075	राहु	04/03/2090
सूर्य	18/01/2036	चंद्र	15/08/2052	मंगल	15/01/2064	राहु	15/04/2078	गुरु	21/12/2090
चंद्र	18/08/2037	मंगल	12/08/2053	राहु	01/02/2065	गुरु	14/12/2080	शनि	03/12/2091
मंगल	27/09/2038	राहु	29/02/2056	गुरु	08/01/2066	शनि	14/02/2084	बुध	08/10/2092
राहु	03/08/2041	गुरु	06/06/2058	शनि	17/02/2067	बुध	15/12/2086	केतु	13/02/2093
गुरु	14/02/2044	शनि	13/02/2061	बुध	14/02/2068	केतु	14/02/2088	शुक्र	13/02/2094

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/02/2094		15/02/2104		15/02/2111		14/02/2129		14/02/2145	
15/02/2104		15/02/2111		14/02/2129		14/02/2145		00/00/0000	
चंद्र	15/12/2094	मंगल	13/07/2104	राहु	28/10/2113	गुरु	04/04/2131	शनि	11/11/2145
मंगल	16/07/2095	राहु	01/08/2105	गुरु	23/03/2116	शनि	16/10/2133		00/00/0000
राहु	14/01/2097	गुरु	08/07/2106	शनि	27/01/2119	बुध	22/01/2136		00/00/0000
गुरु	16/05/2098	शनि	16/08/2107	बुध	16/08/2121	केतु	28/12/2136		00/00/0000
शनि	15/12/2099	बुध	13/08/2108	केतु	03/09/2122	शुक्र	29/08/2139		00/00/0000
बुध	17/05/2101	केतु	09/01/2109	शुक्र	03/09/2125	सूर्य	16/06/2140		00/00/0000
केतु	16/12/2101	शुक्र	11/03/2110	सूर्य	29/07/2126	चंद्र	16/10/2141		00/00/0000
शुक्र	16/08/2103	सूर्य	17/07/2110	चंद्र	28/01/2128	मंगल	22/09/2142		00/00/0000
सूर्य	15/02/2104	चंद्र	15/02/2111	मंगल	14/02/2129	राहु	14/02/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 3 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।